

इलाहाबाद तथा देना बैंक के कॉर्पोरेट उधारकर्त्ता तलाशेंगे नए उधारदाता

चर्चा में क्यों?

देना बैंक और इलाहाबाद बैंक के कॉर्पोरेट उधारकर्त्ता, जनिहें नया ऋण प्रदान करने से प्रतर्बिधति कथिा गया है, को यह सुनश्चिति करने के लयि अपने बैंकों को स्वचि करने के लयि कहा जा रहा है ताककिंपनयिों, वशिष रूप से MSMEs को उधार देना अचानक बंद न हो ।

महत्त्वपूर्ण बडि

- 2017-18 में दो उधारदाताओं के वत्तितीय प्रदर्शन में तेजी से गरिवट आई, भारतीय रज़िर्व बैंक ने देना बैंक को कसिी भी नए ऋण को देने से प्रतर्बिधति कर दयिा है, जबकि इलाहाबाद बैंक को जोखमि भारति परसिंपत्तयिों के वसितार को प्रतर्बिधति करने और अनरिधारति एवं उच्च जोखमि वाले अग्रमि राशों में कमी लाने के लयि कहा गया है ।
- इन प्रतर्बिधों का मतलब है कइिन खातों के मौजूदा उधारकर्त्ताओं को भी कामकाजी पूंजी ऋण और नकद ऋण जैसी कोई भी ऋण सुवधिा नहीं मलि सकती है ।
- ऋण प्रतर्बिधों के बावजूद, ऋण की सुवधिाएँ सुचारु रूप से जारी रखने के लयि ये दोनों बैंक उधारकर्त्ताओं के साथ काम कर रहे हैं ताककिंउन्हें अन्य बैंकों के साथ जोड़े रखें ।
- इससे पहले सरकार ने सार्वजनकि क्षेत्र के छोटे बैंकों को अन्य बैंकों के कॉर्पोरेट ऋणों के नयितरण या बकिरी पर वचिार करने का नरिदेश दयिा था ।
- भारतीय रज़िर्व बैंक ने देना बैंक को नए ऋण प्रदान करने और नए कर्मचारयिों की भरती करने से प्रतर्बिधति कर दयिा था ।
- भारतीय रज़िर्व बैंक ने इलाहाबाद बैंक पर उधार प्रतर्बिधों के अलावा गैर-बैंकिंग परसिंपत्तयिों के नरिमाण को प्रतर्बिधति करने और थोक/महँगी जमा और जमा प्रमाणपत्र के उपागमन/नवीनीकरण करने पर प्रतर्बिध लगाणे के नरिदेश दयिे थे ।
- ये प्रतर्बिध छोटे और मध्यम पैमाने पर कंपनयिों को प्रभावति करते हैं, जनिकि ऋण सुवधिाएँ बैंकों के साथ सीमति संख्या में चल रही हैं ।

क्या कहते हैं आंकडे?

- 31 मार्च, 2018 तक देना बैंक द्वारा MSMEs को दयिा गया 10,898 करोड़ रुपए का वत्तितीय ऋण बकाया है, जबकि इलाहाबाद बैंक के लयि यह 31,547 करोड़ रुपए है ।
- दोनों बैंकों ने बड़े उद्यमों को क्रमशः 26,817 करोड़ रुपए और 38,764 करोड़ रुपए का ऋण दयिा था ।
- देना बैंक द्वारा छोटे और बड़े नगिमों को दयिा गया ऋण कुल अग्रमिों का लगभग 51 प्रतर्शित है, जबकि इलाहाबाद बैंक के लयि यह लगभग 42 प्रतर्शित है ।

क्या होगा इन प्रतर्बिधों का प्रभाव?

- चूँकि कॉर्पोरेट उधारकर्त्ता, वशिष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों के साथ इन बैंकों के पछिले व्यावसायकि संबंध हैं इसलयि ऋण देने में अचानक रुकावट कंपनयिों पर प्रतर्कूल प्रभाव डाल सकती है ।
- कॉर्पोरेट उधारकर्त्ताओं के अलावा, ये प्रतर्बिध कृषि क्षेत्र के उधारकर्त्ताओं को भी प्रभावति करते हैं, जनिहें कसिी भी नए ऋण के लयि अन्य बैंकों के साथ जुड़ने की आवश्कता होगी ।

सुधार के प्रयास

- सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों के लयि 2.11 लाख करोड़ रुपए की पूंजी नविश योजना के तहत सरकार ने जनवरी में देना बैंक को 3,045 करोड़ रुपए और इलाहाबाद बैंक को 1,500 करोड़ रुपए आवंटति कयिे थे ।
- त्वरति सुधारात्मक कार्रवाई (Prompt Corrective Action-PCA) के तहत बैंकों के साथ-साथ उनके उधारकर्त्ताओं के सुचारु पारगमन को सुनश्चिति करने के लयि कंपनयिों को अन्य बैंकों से जोड़ने का कार्य कथिा जा रहा है ।
- राज्य के स्वामतिव वाले कुल ग्यारह बैंक वर्तमान में रज़िर्व बैंक के PCA तंत्र के अंतर्गत हैं, जो बैंकों को तीन प्रमुख नयिामक सतर्कता बडिओं अरथात् पूंजी पर्याप्तता अनुपात, शुद्ध NPA और संपत्ति पर रटिर्न का उल्लंघन करने पर असंतोष प्रकट करता है ।
- PCA बैंकों को अपनी ऋण पुस्तकिा के आकार में वृद्धि, लाभांश का भुगतान और नई शाखाएँ खोलने से प्रतर्बिधति कथिा गया है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/allahabad-dena-banks-corporate-borrowers-told-to-find-new-lenders>

